an>

Title: Regarding providing better facilities to the grameen dak sewaks

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विÂाय की ओर आपका ध्यान आकृÂट करना चाहती हूं। शायद इस सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य इस विÂाय से वाकिफ एवं यशाशीघ्र निराकरण के लिए चिंतित होंगे। दिनांक 10.3.2015 से अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के आह्वान पर पूरे देश में लगभग 2 लाख 65 हजार ग्रामीण डाक सेवक अपनी तीन सूत्री मांगों को लकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं जिसके कारण देश भर में लगभग 1 लाख 20 हजार पोस्ट आफिस की सेवा लगभग ठप पड़ गई है। इससे आम लोगों को परेशानी हो रही है। दैनिक जीवन में डाक सेवा की उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता है।

मैं जब पिछले शनिवार को अपने क्षेत्र में संसदीय कार्य से भ्रमण कर रही थी तो डाक कर्मियों का एक डेलिगेशन मुझसे मिला और उन्होंने अपनी समस्या से अवगत कराया। उनकी प्रमुख मांग यह है कि डाक विभाग के निजीकरण के प्रस्ताव को रोक कर, ग्रामीण डाक सेवकों की सेवा संरचना के संबंध में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए। अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह विभागीयकरण किया जाए जिससे इनका भी पीएफ कटे, जरूरत के समय ऋण मिल सके।

मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि ग्रामीण डाक सेवकों की सेवा का ध्यान रखते हुए सेवा शर्त की संरचना हेतु अविलंब उच्च स्तरीय समिति का गठन कर समुचित कदम उठाया जाए। पोस्ट आफिस कर्मचारी बहुत सेवा देते हैं, ठंड, बरसात, गर्मी सभी मौसम में काम करते हैं। गांव के लिए यही एक सहारा होता है। सड़कें भी खराब होती हैं। बीएसएनएल भी फेल रहता है। मैं समझती हूं कि इन सब परिस्थितियों में डाक सेवा की बहुत जरूरत है।

माननीय उपाध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र और श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय को श्रीमती रमा देवी द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

20.00 hrs.